

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े दानदाता बने विनोद अग्रवाल, एडेलगिव हुरुण इंडिया फिलैन्थ्रोपी लिस्ट 2025 में हंसिल किया 71वां स्थान

Publisher

Published on 07 Nov 2025



मध्य प्रदेश के प्रतिष्ठित उद्योगपति **विनोद अग्रवाल** ने एक बार फिर समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। एडेलगिव हुरुण इंडिया फिलैन्थ्रोपी लिस्ट 2025 (**EdelGive Hurun India Philanthropy List 2025**) में उन्हें देश के **71वें** सबसे बड़े दानदाता के रूप में स्थान मिला है। यह सूची हर वर्ष भारत के उन उद्योगपतियों और उद्यमियों को सम्मानित करती है जिन्होंने समाज कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष यानी 2024 की सूची में विनोद अग्रवाल **58वें** स्थान पर थे। इस बार भले ही उनकी रैंकिंग कुछ पीछे गई हो, लेकिन समाजसेवा के क्षेत्र में उनका योगदान लगातार बढ़ता जा रहा है। एडेलगिव हुरुण रिपोर्ट के अनुसार, **अग्रवाल ने बीते वर्ष में करोड़ों रुपये की राशि सामाजिक कल्याण और शिक्षा संस्थानों को दान की**, जिससे हजारों विद्यार्थियों और जरूरतमंदों को सीधा लाभ मिला है।

विनोद अग्रवाल मध्य प्रदेश के **प्रमुख औद्योगिक घरानों में से एक** हैं। वे अपने व्यावसायिक कौशल के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए भी जाने जाते हैं। उनका व्यापार मुख्य रूप से **मैन्युफैक्चरिंग, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट** के क्षेत्र में फैला हुआ है। अग्रवाल ग्रुप ऑफ कंपनीज़ न केवल राज्य में बल्कि देश के कई हिस्सों में भी अपना व्यवसाय संचालित करता है।

विनोद अग्रवाल की समाजसेवी यात्रा दशकों पुरानी है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का मूल मानते हुए कई **स्कूलों और छात्रवृत्ति योजनाओं** की शुरुआत की। ग्रामीण इलाकों में बच्चों की शिक्षा और महिलाओं के लिए रोजगारपरक प्रशिक्षण केंद्र खोलने में उनका विशेष योगदान रहा है।

इसके अलावा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। **फ्री हेल्थ कैंप, ब्लड डोनेशन ड्राइव और कैंसर मरीजों**

की मदद जैसे कार्यों में अग्रवाल फाउंडेशन लगातार सक्रिय रहा है। उनके द्वारा स्थापित कई सामाजिक संस्थाएं आज भी गांव-गांव में जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचा रही हैं।

व्यवसाय की दुनिया में विनोद अग्रवाल को एक दूरदर्शी और नैतिक व्यवसायी के रूप में देखा जाता है। उन्होंने अपने उद्योगों को सिर्फ लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि **रोज़गार सृजन और सामाजिक विकास का आधार** बनाया है। उनके उद्योगों में हजारों कर्मचारी कार्यरत हैं और वे हमेशा अपने कर्मचारियों की भलाई और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं।

एडेलगिव हुरुण इंडिया फिलैंथ्रॉपी रिपोर्ट भारत के सबसे बड़े दानदाताओं की वार्षिक सूची है, जो समाज सेवा में निजी स्तर पर किए गए योगदान का विश्लेषण करती है। इस सूची में इस वर्ष **मुकेश अंबानी, अज़ीम प्रेमजी, शिव नादर, कुमार मंगलम बिड़ला, राधाकिशन दमानी और आनंद महिंद्रा** जैसे दिग्गज उद्योगपतियों का नाम शामिल है।

विनोद अग्रवाल का नाम इस सूची में शामिल होना न केवल मध्य प्रदेश के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह इस तथ्य को भी दर्शाता है कि छोटे राज्यों के उद्योगपति भी **देशव्यापी स्तर पर समाजसेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।**

विनोद अग्रवाल अक्सर कहते हैं —

“व्यवसाय का असली उद्देश्य सिर्फ मुनाफा नहीं, बल्कि समाज को लौटाना भी है। जब तक समाज खुशहाल नहीं होगा, तब तक कोई भी उद्योग स्थायी सफलता हासिल नहीं कर सकता।”

उनका यह दृष्टिकोण ही उन्हें बाकी उद्यमियों से अलग बनाता है। वे मानते हैं कि यदि हर उद्योगपति अपने लाभ का एक हिस्सा सामाजिक विकास में लगाए, तो देश में गरीबी और असमानता को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

अग्रवाल का यह सम्मान न केवल उनके लिए बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। राज्य में ऐसे बहुत कम उद्योगपति हैं जिन्होंने व्यवसाय और परोपकार दोनों क्षेत्रों में संतुलन बनाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई हो।

विशेषज्ञों का कहना है कि विनोद अग्रवाल जैसे उद्यमियों की पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन रही है। वे दिखा रहे हैं कि सफलता का अर्थ सिर्फ आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि **मानवता की सेवा और समाज के उत्थान में योगदान देना भी है।**

एडेलगिव हुरुण रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत में कुल 143 प्रमुख दानदाताओं ने अपने योगदान से देश को गौरवान्वित किया। इनमें विनोद अग्रवाल जैसे नाम यह साबित करते हैं कि **मध्य प्रदेश अब केवल औद्योगिक राज्य नहीं, बल्कि समाजसेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।**

विनोद अग्रवाल की यह उपलब्धि आने वाले उद्यमियों के लिए एक प्रेरणा है कि **“जब व्यवसाय सफलता के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाए, तभी सच्ची प्रगति संभव होती है।”**